सम्पूर्णता की समीपता के लक्षण

(अव्यक्त बापदादा की वर्ष २०११-२०१२ की मुरलियों पर आधारित)

१. कहना और करना एक, कहा अर्थात किया/ हुआ

२. सन्तुष्टता की शक्ति से चमकते हुए मुस्कराते हुए मिलन मनाने वाले।

३. चेहरे पर व्यर्थ की समाप्ति और सदा स्मृति स्वरूप की झलक। सदा मस्तक में दिव्य ज्योति चमकती रहे।

४. समर्थ बन वायुमण्डल में समर्थपन की शक्ति के वाईब्रेशन फैलाने वाले।

५. मन्सा, वाचा, कर्मणा, सम्बन्ध सम्पर्क में उन्हें जो भी देखे, यही कहे वाह परिवर्तन वाह।

६. हर आत्मा के प्रति दिल का स्नेह व सहयोग।

७.शुभ भावना, शुभ कामना सम्पन्न आत्मा।

८. लाईट माईट स्वरूप के अनुभवी मूर्त।